एन.सी.एल. में सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे ने 26 सितम्बर, 2006 को सीएसआईआर का 64 वाँ स्थापना दिवस मनाया । प्रो. आर. नरसिम्हा, एफ.आर.एस., जवाहरलाल नेहरू प्रगत वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, बेंगलूर ने इस अवसर पर सीएसआईआर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया । राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला प्रत्येक वर्ष सीएसआईआर स्थापना दिवस के एक भाग के रूप में ''सीएसआईआर के निर्माता'' श्रृंखला के अन्तर्गत व्याख्यान देने के लिए सीएसआईआर परिवार के किसी एक प्रतिष्ठित सदस्य को आमंत्रित करती है । प्रो. नरसिम्हा जो एक उत्कृष्ट वांतरिक्ष वैज्ञानिक हैं, सन् 1984 से 1993 तक राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएँ, बेंगलूर के निदेशक थे । प्रो. नरसिम्हा के व्याख्यान का विषय था - ''वैमानिकी प्रगति एवं विमानन प्रगति में एकरूपता'' ।

डॉ. बी.डी. कुलकर्णी, कार्यवाहक निदेशक, एन.सी.एल. ने प्रो. नरसिम्हा एवं उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कहा कि प्रो. नरसिम्हा तरल यांत्रिकी, वांतरिक्ष अभियांत्रिकी तथा वायुमण्डलीय विज्ञान के एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक हैं । एक चिन्तक और अध्यापक के रूप में प्रो. नरसिम्हा ने सदैव नए और रोचक तथ्यों पर प्रकाश डाला है । डॉ. कुलकर्णी ने राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाओं को एक शानदार, आत्मनिर्भर तथा प्रभावशाली अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला के रूप में परिवर्तित करने के लिए प्रो. नरसिम्हा के प्रयासों की सराहना की ।

प्रो. नरसिम्हा ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत में वैमानिकी उद्योग की स्थापना के द्वारा विमानन उद्योग की प्रगति में समानता लाई जानी चाहिए । उन्होंने भारतीय नागर विमानन उद्योग की प्रगति की तुलना वैमानिकी के विकास के साथ की और भारतीय निजी क्षेत्र से अनुरोध किया कि वे भारत में वांतरिक्ष तथा विमानन उद्योग में अपनी महती भूमिका अदा करें । उन्होंने नागर विमानन के क्षेत्र में नई नीतियाँ बनाने का सुझाव दिया ताकि इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाया जा सके । उन्होंने विशेष रूप से देश के कम जुड़े हुए भागों में विमानन क्षेत्र को सूचना प्रौद्योगिकी से जोड़ने और उनकी क्षमता को बढ़ाने की अपील की ।

प्रो. नरसिम्हा ने इस अवसर पर पिछले एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को तथा उन कर्मचारियों को भी जिन्होंने सीएसआईआर में अपनी सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं, स्मृतिचिह्न प्रदान किए । उन्होंने ''विज्ञान प्रश्नमंच'' प्रतियोगिता के विजेता स्कूली छात्रों को तथा कर्मचारियों के उन बच्चों को जिन्होंने बारहवीं कक्षा की परीक्षा में विज्ञान तथा गणित विषयों में 90 प्रतिशत तथा उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।

प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर सीएसआईआर उत्कृष्ट योगदान देने वाले कार्मिकों/दलों को विभिन्न पुरस्कार देकर सम्मानित करती है । इस वर्ष भी एन.सी.एल. के दो वैज्ञानिकों - डॉ. अशीष लेले को अभियांत्रिकी विज्ञान में प्रतिष्ठित शांतिस्वरूप भटनागर से तथा डॉ. श्रीनिवास होता को रासायनिक विज्ञान में सीएसआईआर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

*****